MIRIPS Instruments

(Indian adaptation: Urdu version in Devnagari script)

Note: Note: While all items of the original MIRIPS instruments were translated in Hindi and Urdu languages, we had also added a few items (marked asterisk* in the original MIRIPS questionnaires) to "language", "contact" and "identity" measures to make them more comprehensive and culturally more appropriate.

सबसे पहले कुछ सवाल आपके तथा आपके घर–परिवार के बारे में हैं। इनके जवाब सही का निशान लगाकर (√) या लिखकर (जैसी जरूरत हो) दें।

1. आपका नाम क्या है? (Name)

a) आपकी उम्र कितनी है?.....वर्ष..... माह

b) आप किस क्लास में पढ़ते हैं?

*आप कहाँ पैदा हुए थे? (जगह का नाम)

*वह जगह कैसी है : **शहर** **कस्बा** **गाँव**

*यदि कहीं और पैदा हुए थे, तो यहाँ किस उम्र में आए?

2. लिंग (Sex) ☐ **स्त्री** ☐ **पुरुष**

3. सामाजिक आर्थिक स्थिति (कार्य) (Socioeconomic status: Profession)

आपका व्यवसाय क्या है?

4. सामाजिक आर्थिक स्थिति (स्वामित्व) : (Socioeconomic status: Ownership)

- क्या आपके परिवार में टेलीफोन है? **हाँ** **नहीं**
- क्या आपके परिवार में वाशिंग मशीन, माइक्रो वेब है? **हाँ** **नहीं**
- क्या आपके परिवार में टेलीविजन है? **हाँ** **नहीं**
  यदि हाँ, तो किस प्रकार की टीवी है? **कलर, एल0सी0डी0 या एल0ई0डी0**
- क्या आपके परिवार में कार/जीप/ट्रक है? **हाँ** **नहीं**
- क्या आपके परिवार में कम्प्यूटर है? **हाँ** **नहीं**
- क्या आपका अपना लैपटॉप है? **हाँ** **नहीं**

5. आपका मजहब क्या है? (Religion)

( ) हिन्दू
( ) इस्लाम
( ) जैन/बुद्ध/सिख/ईसाई
( ) अन्य कोई

***6. आप अपने को कितना पक्का**

( )	हिन्दू मानते हैं।	100%	80%	60%	40%	20%
( )	मुस्लिम मानते हैं	100%	80%	60%	40%	20%
( )	कुछ और (क्या)	100%	80%	60%	40%	20%

7. आपके माता पिता का मजहब क्या है?

पिता.....माता.....

8. शादी

- क्या आप शादीशुदा हैं? **हाँ** **नहीं**
- यदि आप अभी शादीशुदा नहीं हैं, क्या आपने पहले शादी किया था? **हाँ** **नहीं**
- क्या आपके पति/पत्नि आपके मजहब और जाति के हैं? **हाँ** **नहीं**
- यदि नहीं, कौन से मजहब/जाति के हैं?.....

- यदि शादीशुदा नहीं हैं, क्या अपने मजहब और जाति के किसी व्यक्ति से शादी करना पसन्द है?

हाँ **नहीं** **कोई वरियता/पसन्द**

9. कौन सा कथन आपके पास पड़ोस/गाँव (Neighbourhood/Village) के सम्बन्ध में सबसे ज्यादा सही है, जहाँ आप रहते हैं?

क) लगभग सभी लोग दूसरी जाति/मजहब के हैं।
ख) ज्यादातर लोग दूसरी जाति/मजहब के हैं।
ग) ज्यादातर लोग मेरी जाति/मजहब के हैं।
घ) लगभग सभी लोग मेरी जाति/मजहब के हैं।

***10. जन्म स्थान सम्बन्धी सवाल (Birth Place)**

आपकी माँ कहाँ पैदा हुई थीं? (जगह का नाम)
वह जगह कैसी है : **शहर** **कस्बा** **गाँव**
आपके पिता कहाँ पैदा हुए थे? (जगह का नाम)
वह जगह कैसी है: **शहर** **कस्बा** **गाँव**
आपके माता–पिता इस समय क्या करते हैं?
माता **पिता**

11. ज़बान (Language)

(a) आप अपने घर में कौन सी जबान बोलते हैं?

	माता–पिता के साथ	**कभी नहीं**	**कभी–कभी**	**ज्यादातर**	**बहुत–अधिक**	**सदैव**
1.	उर्दू बोलता/बोलती हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
2.	हिन्दी बोलता/बोलती हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
3.	मिली–जुली जबान बोलता/बोलती हूँ	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
4.	मिली–जुली ज़बान में हिन्दी ज्यादा होती है या उर्दू?	हिन्दी	[ ]	उर्दू	[ ]	

***(b) यदि आपके भाई–बहन हों तो नीचे लिखे सवालों के उत्तर दें। यदि न हों तो नीचे सही का निषान लगाएँ।**

क) [ ] मेरा कोई भाई–बहन नहीं है।

	भाई–बहनों के साथ	**कभी नहीं**	**कभी–कभी**	**ज्यादातर**	**बहुत–अधिक**	**सदैव**
1.	उर्दू बोलता/बोलती हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
2.	हिन्दी बोलता/बोलती हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
3.	मिली–जुली जबान बोलता/बोलती हूँ	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

यह सवाल उर्दू की जानकारी के बारे में हैं।

	आप कितनी अच्छी तरह :	**बिल्कुल नहीं**	**थोड़ी–बहुत**	**काफी**	**अच्छी तरह**	**पूरी तरह**
1.	उर्दू समझते हैं	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
2.	उर्दू बोलते हैं	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
3.	उर्दू पढ़ते हैं	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
4.	उर्दू लिखते हैं	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

ये सवाल हिन्दी की जानकारी के बारे में हैं।

	आप कितनी अच्छी तरह :	**बिल्कुल नहीं**	**थोड़ी–बहुत**	**काफी**	**अच्छी तरह**	**पूरी तरह**
1.	हिन्दी समझते हैं	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
2.	हिन्दी बोलते हैं	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
3.	हिन्दी पढ़ते हैं	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
4.	हिन्दी लिखते हैं	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

क्या आप घर में हिन्दी और उर्दू के अलावा कोई और जबान बोलते हैं?

हाँ [ ] **नहीं** [ ]

यदि हाँ तो कौन सी ज़बान – .....

कितनी बोलते हैं? **थोडी बहुत [ ]** **काफी [ ]** **बहुत अधिक** [ ]

किससे बोलते हैं?

कुछ लोग घर में हिन्दी–उर्दू की कोई बोली भी बोलते हैं। क्या आप कोई बोली जैसे भोजपुरी, आदि बोलते हैं?
कितना बोलते हैं? **थोड़ी बहुत [ ] काफी [ ] बहुत अधिक [ ]**
किससे बोलते हैं?

(c) आप अपने पड़ोस/गाँव में कौन सी जबान बोलते हैं। (उदाहरणतः जब खरीदारी करते हैं)

		बिल्कुल नहीं	थोड़ी–बहुत	काफी	अच्छी तरह	पूरी तरह
1.	उर्दू बोलता/बोलती हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
2.	हिन्दी बोलता/बोलती हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
3.	मिली जुली हुई जबान बोलता/बोलती हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
4.	मिली जुली जबान में ज्यादा होती है।	**हिन्दी**	**[ ]**	**उर्दू**	**[ ]**	

12. सामाजिक मेलजोल (Social contact)

अब आपके दोस्तों तथा जान–पहचान वाले लोगों के बारे में कुछ सवाल दिए गए हैं, जो जवाब आप पर सबसे अधिक लागू होता हो उसे चुनें।

आप अपने पाँच खास दोस्तों के नाम बताइए और यह भी बताइए कि वे आपके कितने करीब हैं?

नम	बहुत कम	कम	औसत	ज्यादा	बहुत ज्यादा
1.	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
2.	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
3.	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
4.	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
5.	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

नीचे के सवाल आपके मुस्लिम दोस्तों के बारे में है।

		बहुत कम	कम	औसत	ज्यादा	बहुत ज्यादा
1.	आप उनके यहाँ कितना जाते हैं?	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
2.	वे आपके यहाँ कितना आते हैं?	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
*3.	आप उनके यहाँ कितनी बार खाना खाते हैं?	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
*4.	वे आपके यहाँ कितनी बार खाना खाते हैं?	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
*5.	आप उनके त्योहारों में कितना शरीक होते हैं?	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
*6.	वे आपके त्योहारों में कितना शरीक होते हैं?	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
*7.	आप उनके यहाँ शादी या बर्थडे पार्टी जैसे मौकों में कितना शरीक होते हैं?	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
*8.	वे आपके यहाँ शादी या बर्थडे पार्टी जैसे मौकों में कितना शरीक होते हैं?	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
*9.	आपके परिवार के लोग उनके यहाँ कितना जाते हैं?	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
*10.	उनके परिवार के लोग आपके यहाँ कितना आते हैं?	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

इसी प्रकार ये सवाल आपके हिन्दू दोस्तों के बारे में है।

		बहुत कम	कम	औसत	ज्यादा	बहुत ज्यादा
1.	आप उनके यहाँ कितना जाते हैं?	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
2.	वे आपके यहाँ कितना आते हैं?	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
*3.	आप उनके यहाँ कितनी बार खाना खाते हैं?	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
*4.	वे आपके यहाँ कितनी बार खाना खाते हैं?	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
*5.	आप उनके त्योहारों में कितना शरीक होते हैं?	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
*6.	वे आपके त्योहारों में कितना शरीक होते हैं?	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
*7.	आप उनके यहाँ शादी या बर्थडे पार्टी जैसे मौकों में कितना शरीक होते हैं?	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

*8.	वे आपके यहाँ शादी या बर्थडे पार्टी जैसे मौकों में कितना शरीक होते है?	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
*9.	आपके परिवार के लोग उनके यहाँ कितना जाते हैं?	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
*10.	उनके परिवार के लोग आपके यहाँ कितना आते हैं?	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

13. सफर सम्बन्धी सवाल (Travel)

पिछले 5 वर्षों में, आपने कितनी बार सफर किया है?

कोई नहीं एक बार दो बार कुछ बार बहुतबार

- **अपने देश में**
- **दूसरे देश में**
- **देश से बाहर**

ये सफर किस लिए किया था, सही का निशान (√) लगायें जो लागू होता है।

मौज मस्ती के लिए अध्ययन (पढ़ाई) के लिए काम के लिए

पिछले 5 वर्षों में कुल कितने महीनें आप अपने पड़ोस/गाँव से दूर थे?.....माह

14. तहज़ीबी पहचान (Cultural identity)

पूछे जाने पर लोग अपना परिचय अलग–अलग तरह से देते हैं। यदि आपसे कोई पूछे कि आप कौन हैं तो आप अपना परिचय कैसे देंगे?

	कहाँ तक आप कहेंगे कि मैं	**कभी नहीं**	**बहुत कम बार**	**कुछ बार**	**काफी अधिक बार**	**बहुत अधिक बार**
1.	एक हिन्दुस्तानी हूँ	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
*2.	यू0पी0 वाला/वाली हूँ	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
*3.	पूर्वांचल का/की हूँ	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
4.	हिन्दू हूँ/मुस्लिम हूँ	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
*5.	ब्राह्मण/क्षत्रिय /वैश्य हूँ शेख/पठान/अंसारी हूँ	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
*6.	पिछड़ी/दलित/अनुसूचित जाति का/की हूँ	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
*7.	अमुक जगह (गांव/शहर का नाम) का/की हूँ	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
*8.	इनमें से कुछ भी नहीं हूँ	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

	नीचे दी गई बातों में से हर बात से आप कितना सहमत या असहमत हैं?	**पूरी तरह असहमत**	**कुछ–कुछ असहमत**	**अनिश्चित**	**कुछ–कुछ सहमत**	**पूरी तरह सहमत**
1.	मुझे लगता है कि मैं मुस्लिम तहजीब का हिस्सा हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
2.	मुझे अपने मुस्लिम होने पर फख्र है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
3.	मैं मुस्लिम होने से खुश हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
4.	मुस्लिम तहजीब का हिस्सा होना मेरे लिए शर्म की बात है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
5.	मुस्लिम होना मेरे लिए तक़लीफदेह है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
6.	मुस्लिम तहजीब का हिस्सा होना मुझे खुशी का एहसास कराता है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
7.	मुस्लिम होना मुझे अच्छा लगता है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

***लोग अपने जीवन के लिए जिन चीजों को जरूरी समझते हैं उसमें फर्क पाया जाता है। नीचे दी गई चीजें आपके लिए कितनी अहम हैं?**

		बिल्कुल नहीं	**थोड़ी–बहुत**	**काफी**	**अच्छी तरह**	**पूरी तरह**
*1.	मैं मुस्लिम हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
*2.	मैं इंसान हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

*3.	मेरा एक मजहब है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
*4.	मैं एक लड़का/लड़की हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

15. सुरक्षा – (Security)

नीचे दी गई (5) बिन्दु की मापनी का उपयोग करते हुए कृपया यह बताएँ कि आप नीचे लिखे प्रत्येक कथन से कितना सहमत या असहमत हैं। :–

		पूर्ण सहमत	सहमत	न असहमत न सहमत	असहमत	पूर्ण असहमत
		5	4	3	2	1
1.	इस देश में मुखतलिफ ज़बानों और तहजीबों के लिये जगह है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
2.	हमें अपनी तहजीबी रस्मों–रिवाजों को बाहरी लोगों से बचाने के लिये कदम उठाने की जरूरत है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
3.	दूसरी ज़बानों को सीखने से हम अपनी तहजीबी रस्मों–रिवाजों को भुला देते हैं।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
4.	मेरी अपनी तहजीबी पहचान खो न जाय, इस बात को लेकर मैं फिक्रमन्द रहता हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
5.	तहजीबी तौर पर मैं एक भारतीय के रूप में महफूज महसूस करता हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
6.	भयानक बेरोजगारी बहुत ज्यादा परेशानी का मसला है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
7.	हर एक इन्सान को महफूज महसूस कराने के लिये यह देश काफी अमीर और कामयाब है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
8.	ज्यादा कर (Tax) देने की वजह से जरूरतों के मुताबिक धन जुटा पाना मुश्किल हो जाता है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
9.	कारोबारी मुद्दों से मुताल्लिक चिंताओ में लोग बहुत समय खर्च करते हैं।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
10.	पहले के बजाय आज किसी भी इन्सान को महफूज और बगैर तकलीफ के जिन्दगी जीने के बेहतर मौके हैं।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
11.	हमारा समाज गढ्ढ़ें में गिर रहा है और उसमें अराजकता फैलने की सम्भावना है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
12.	हमारे समाज में गैर एखलाकी (अनैतिक) और ज़लील लोगों की रिपोर्ट बढ़ा चढ़ा कर पेश की जाती है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
13.	लोगों के लुट जाने, मार खाने और कत्ल कर दिये जाने की उम्मीदें दिन–प्रतिदिन बढ़ती हीं जा रही है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

16. उत्संस्करण मनोवृत्ति और प्रत्याशायें (Acculturation attitudes and expectations)

(a) अल्पसंख्यक तबके के लिए : उत्संस्करण मनोवृत्ति (for minority group: Acculturation attitudes)

नीचे आपकी जबान, रिवाज तथा दोस्त आदि के बारे में कुछ बातें दी गई हैं। अपने ऊपर सबसे अधिक लागू होने वाले जवाब को चुनकर कृपया बताएँ कि आप हर बात से कितना सहमत या असहमत हैं?

		पूरी तरह असहमत	कुछ–कुछ असहमत	अनिश्चित	कुछ–कुछ सहमत	पूरी तरह सहमत
1.	मेरे लिए अच्छी तरह हिन्दी बोलना उर्दू बोलने से ज्यादा अहम है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
2.	मेरे लिए अच्छी तरह उर्दू बोलना अहम है पर हिन्दी बोलने में कोई हर्ज नहीं है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
3.	मुझे लगता है कि मुस्लिमों को अपनी तहजीब के रस्मों–रिवाजों को बनाए रखना चाहिए लेकिन हिन्दू रस्मों–रिवाजों को भी अपनाना चाहिए।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

4.	मेरे लिए हिन्दी और उर्दू दोनों अच्छी तरह बोलना अहम है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
5.	मुझे केवल मुस्लिम दोस्त बनाना पसन्द है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
6.	मेरे लिए हिन्दी या उर्दू किसी को भी अच्छी तरह बोलना अहम नहीं है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
7.	मुस्लिमों को अपने रस्मों–रिवाज बनाए रखना चाहिए पर हिन्दुओं के रस्मों–रिवाज अपनाने में कोई हर्ज नहीं होना चाहिए।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
8.	मुझे लगता है कि मुस्लिमों को हिन्दू तहजीब के रस्मों–रिवाजों को अपनाना चाहिए तथा अपने रस्मों–रिवाज नहीं बनाए रखना चाहिए।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
9.	मुझे सिर्फ हिन्दू दोस्त बनाना पसंद है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
10.	मैं हिन्दू क्या मुस्लिम किसी को भी दोस्त नहीं बनाना चाहता/चाहती हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
11.	मेरे सामाजिक कामों में मुस्लिमों को रहना ही चाहिए पर यदि उसमें हिन्दू भी शामिल रहें तो कोई हर्ज नहीं है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
12.	मैं ऐसे सामाजिक कामों को पसंद करता/करती हूँ जिनमें हिन्दू और मुस्लिम दोनों शामिल हों।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
13.	मेरे लिए अच्छी तरह उर्दू बोलना हिन्दी बोलने से अधिक अहम है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
14.	मैं न तो हिन्दुओं के सामाजिक कामों में भाग लेना चाहता/चाहती हूँ और न ही मुस्लिमों के।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
15.	मुझे ऐसे सामाजिक क्रियाकलाप पसन्द हैं जिनमें केवल मुस्लिम शामिल हों।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
16.	मुझे लगता है कि मुस्लिमों के लिए अपने रस्मों–रिवाजों को बनाए रखना या हिन्दू रस्मों–रिवाजों को नहीं अपनाना चाहिए।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
17.	मुझे लगता है कि मुस्लिमों के लिए अपने रस्मों–रिवाजों को बनाए रखना या हिन्दू रस्मों–रिवाजों को अपनाना अहम नहीं है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
18.	मुझे ऐसे सामाजिक क्रियाकलाप पसंद हैं जिनमें सिर्फ हिन्दू शामिल हों।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
19.	मुझे मुस्लिम और हिन्दू दोनों ही दोस्त बनाने पसंद हैं।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
20.	मेरे दोस्त मुस्लिम तो होने चाहिए पर यदि वे हिन्दू भी हों तो कोई हर्ज नहीं है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

(b) बहुसंख्यक समूह के लिए उत्संस्करण प्रत्याशायें (for majority group: Acculturation expectation)

		पूरी तरह असहमत	कुछ–कुछ असहमत	अनिश्चित	कुछ–कुछ सहमत	पूरी तरह सहमत
1.	मुझे लगता है कि हिन्दूओं को अपने रस्मों–रिवाज बनाये रखना चाहिए और मुस्लिम रस्मों–रिवाजों को नहीं अपनाना चाहिए।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
2.	हिन्दूओं के लिए उर्दू या हिन्दी किसी को भी अच्छी तरह बोलना अहम नहीं है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
3.	हिन्दूओं को न तो मुस्लिमों के सामाजिक कामों में भाग लेना चाहिए और न हीं हिन्दूओं के।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
4.	हिन्दूओं को ऐसे सामाजिक कामों में जाना चाहिए, जिसमें केवल हिन्दू शामिल हो।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

5.	हिन्दूओं को उर्दू और हिन्दी दोनों अच्छी तरह बोलना चाहिए।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
6.	हिन्दूओं को ऐसे सामाजिक कामों में शरीक होना चाहिए जिसमें केवल मुस्लिम शामिल हो।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
7.	मुझे लगता है कि हिन्दू के लिए अपने रस्मों–रिवाजों को बनाए रखना या मुस्लिम रस्मों–रिवाजों को अपनाना अहम नहीं है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
8.	हिन्दूओं के लिए अच्छी तरह हिन्दी बोलना उर्दू बोलने से अधिक अहम है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
9.	मुझे लगता है कि हिन्दूओं को अपने तहजीब के रस्मों–रिवाजों को बनाए रखना चाहिए परन्तु मुस्लिम परंपराओं को भी अपनाना चाहिए।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
10.	मुझे लगता है कि हिन्दूओं को मुस्लिम तहजीब के रस्मों–रिवाजों को अपनाना चाहिए तथा अपने रस्मों–रिवाजों को नहीं बनाये रखना चाहिए।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
11.	हिन्दूओं के केवल मुस्लिम दोस्त होने चाहिए।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
12.	हिन्दूओं के लिए अच्छी तरह उर्दू बोलना हिन्दी बोलने से अधिक अहम है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
13.	हिन्दूओं को मुस्लिम क्या हिन्दू किसी को भी दोस्त नहीं बनाना चाहिए।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
14.	हिन्दूओं को केवल हिन्दू दोस्त बनाना चाहिए।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
15.	हिन्दूओं को ऐसे सामाजिक कामों में शरीक होना चाहिए जिसमें मुस्लिम और हिन्दू दोनों शामिल हों।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
16.	हिन्दूओं के मुस्लिम और हिन्दू दोनों दोस्त होने चाहिए।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
17.	हिन्दूओं को अपनी रस्मों–रिवाज बनाए रखना चाहिए पर मुस्लिमों के रस्मों–रिवाजों को अपनाने में उन्हें कोई हर्ज नहीं होनी चाहिए।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
18.	हिन्दूओं के लिए अच्छी तरह हिन्दी बोलना अहम है पर उर्दू बोलने में उन्हें कोई हर्ज नहीं होनी चाहिए।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
19.	हिन्दूओं के सामाजिक कामों में हिन्दूओं को रहना ही चाहिए पर यदि उसमें मुस्लिम भी शामिल रहें तो उन्हें कोई हर्ज नहीं होनी चाहिए।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
20.	हिन्दूओं के दोस्त हिन्दू तो हैं लेकिन मुस्लिम भी हों तो उन्हें कोई हर्ज नहीं होनी चाहिए।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

17. अनुभावित विभेद (Perceived Discrimination)

जब अलग–अलग तरह के लोग एक साथ रहते हैं तो कभी–कभी कुछ के साथ अच्छा–बुरा बर्ताव हो जाता है। नीचे के सवाल इसी प्रकार के अनुभव के बारे में हैं। आप बताएँ कि क्या कभी आपको ऐसा एहसास हुआ है।

		पूरी तरह असहमत	कुछ–कुछ असहमत	अनिश्चित	कुछ–कुछ सहमत	पूरी तरह सहमत
1.	मुझे लगता है कि हिन्दुओं ने मेरे तबके (मुस्लिम) के साथ ठीक बर्ताव नहीं किया है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
2.	मुझे लगता है कि हिन्दू लोग मुझे अपना नहीं मानते।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
3.	मुझे लगता है कि हिन्दुओं के पास मेरे खिलाफ कुछ न कुछ करने को है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

4.	मुसलमान होने के कारण मुझे हिन्दुओं द्वारा चिढ़ाया और जलील किया गया है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
5.	मुसलमान होने के कारण मुझे हिन्दुओं द्वारा धमकाया गया है या मुझ पर हमला किया गया है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

18. बहुसांस्कृतिक विचार धारा (Multicultural ideology)

नीचे दी गई (5) बिन्दु की मापनी का उपयोग करते हुए कृपया यह बताएँ कि नीचे लिखे प्रत्येक कथन से आप कितना सहमत या असहमत है। यहाँ 1 का अर्थ पूर्णअसहमत और 5 का अर्थ पूर्णसहमत है।

		पूर्ण सहमत	सहमत	न असहमत न सहमत	असहमत	पूर्ण असहमत
		5	4	3	2	1
1.	हमे यह याद रखना चाहिये की मुखतलिब तहजीबों/जातियों का होना भारतीय समाज की बुनियादी खासियत है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
2.	अपनी तहजीबी विरासत को भारत में महफूज रखने के लिए हमें मजहब और जाति पर आधारित अल्पसंख्यकों की मदद करनी चाहिए।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
3.	देश के लिए सबसे अच्छा यही है कि लोग अपनी मजहबी और तहजीबी रस्मों–रिवाजों को जल्द से जल्द भूल जायें।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
4.	जिस समाज में मुखतलिफ किस्म के मजहबी और तहजीबी तबके के होते हैं, वह नयी परेशानियों का हल खोजने में ज्यादा काबिल होते हैं।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
5.	अपने पुराने तरीके पर अड़े रहने वाले मुखतलिफ मजहब और तहजीब के लोगों की वजह से इस देश की एकता कमजोर हुई है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
6.	यदि मुखतलिफ मजहब और तहजीब के लोग अपनी तहजीब को बनाये रखना चाहते हैं तो उन्हें उसे अपने हद तक रखना चाहिये।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
7.	जिस समाज में कई तरह के मजहब और तहजीब के तबके होते हैं, उसमें कौमी एकता की परेशानियाँ उन समाजों के मुकाबलों में ज्यादा होती हैं जिनमें सिर्फ एक या दो खास तहजीबी तबके होते हैं।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
8.	इस देश में मुखतलिफ मजहबी और तहजीबी तबकों की रस्मों–रिवाजों को जानने के लिये हमें और कोशिश करनी चाहिये।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
9.	दूसरे जगहों से आये हुए माँ–बाप को अपनी मादरे–वतन की तहजीब और रस्मों–रिवाजों को बनाये रखने के लिए अपने बच्चों का हौसला आफजायी करना चाहिए।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
10.	पूर्वांचल आने वाले लोगों को हमारे जैसा बनने के लिए अपने बर्ताव में तबदीली लानी चाहिए।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

19 सहनशीलता/पूर्वाग्रह (Tolerance/Prejudice)

नीचे दी गई 5 बिन्दु की मापनी का उपयोग करते हुए कृपया यह बताएँ कि आप नीचे लिखे प्रत्येक कथन से सहमत या असहमत है–

		पूर्ण सहमत	सहमत	न असहमत न सहमत	असहमत	पूर्ण असहमत
		5	4	3	2	1
1.	मुखतलिफ मजहब/जाति के लोगों का एक दूसरे से शादी करना एक बुरी सोच है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
2.	यहाँ रहने वाले बाहर से आये हुए लोगों/अल्पसंख्यकों को वहाँ नहीं जाना चाहिए जहाँ उनकी जरूरत नहीं है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
3.	यदि नौकरी देने वाला किसी विशेष तबके के लोगों को सिर्फ नौकरी देना चाहता है। तो यह उसका अपना निजी मामला है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
4.	जब मैं बाहर से आये हुए लोगों/अल्पसंख्यकों को बहुसंख्यक (बड़ी आबादी) के अवाम की तरह बराबरी के हक की माँग करते हुए सुनता हूँ तो यह मुझे गुस्सा दिलाता/दिलाती है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
5.	बाहर से आये हुए लोगों/अल्पसंख्यकों को यहाँ पैदा हुए और पले–बढ़े लोगों के जैसे ही देश के कल के बारे में बोलना चाहिए।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
6.	एक ही देश में मुखतलिफ मजहब और जाति के तबकों का रहना अच्छा/उत्तम है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
7.	हमें सभी तबकों के बीच मजहब या जाति के फर्क का ख्याल किये बिना बराबरी को बढ़ावा देना चाहिए।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
8.	कुछ लोग ऐसे ही दूसरों से कमतर होते हैं।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
9.	जिन्दगी में आगे बढ़ने के लिए, कभी–कभी दूसरों को सीढ़ी बनाना जरूरी हो जाता है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
10.	यदि लोगों के साथ बराबरी का बर्ताव किया जाये तो हमें इस देश में कम परेशानियाँ होंगी।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
11.	यह अहम है कि हम दूसरे देशों के साथ बराबरी का बर्ताव करें।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

20. अप्रवास के प्रत्यक्षीकृत/अनुभावित परिणाम– (Perceived outcome of immigration)

(अ) नीचे दी गई मापनी का उपयोग करते हुये कृपया बताएँ की आप नीचे लिखे कथनों से कितना सहमत या असहमत हैं? यहाँ 1 का मतलब "पूर्णतः असहमत" और 5 का मतलब "पूर्णतः सहमत" है।

		1	2	3	4	5
1.	दूसरे मजहब या जाति के लोगों के बीच पलने–बढ़ने वाले मक़ामी बच्चे बिना किसी ठोस तहज़ीबी बुनियाद के होंगे।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
2.	जब मैं दूसरे मजहब/जाति के लोगो के साथ होता हूँ तो महफूज महसूस करता हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
3.	बाहरी लोगों के आने की वजह से मक़ामी (क्षेत्रीय) तहज़ीब के लिये खतरा पैदा होने लगता है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
4.	बाहरी लोगों के ज्यादा तादाद में आने से मक़ामी (क्षेत्रीय) लोग अपनी पहचान खो देगें।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
5.	यदि बाहर से और ज़्यादा लोग बनारस आएंगें तो यहाँ और बेरोजगारी फैलेगी।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

6.	बाहरी लोगों के जरिये कारोबारी लेन देन के बढ़ने से हम सब फायदेमन्द होंगे।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
7.	बाहर से आए लोग मक़ामी (क्षेत्रीय) लोगों से नौकरियाँ छीन लेते हैं।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
8.	बाहर से आए लोगों की वजह से मजदूरी नहीं घटेगी।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
9.	ऐसा सोचने के लिए कोई ठोस वजह नहीं है कि मुखतलिफ किस्म के जाति/मजहब की वजह से हमारा देश टूट रहा है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
10.	बाहरी लोगों के आने से इलाके (क्षेत्र) में जुर्मों की तादाद बढ़ जाती है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
11.	बाहरी लोगों के आने से सामाजिक अशान्ति बढ़ती है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

(ब) बाहर से आये हुए लोगों की संख्या– (Perceived strength of migrants)

अगले कथन के लिये, कृपया मापनी का प्रयोग करें। यहाँ 1 का अर्थ 'बहुत कम' तथा 5 का अर्थ 'बहुत अधिक' है। आप 1 और 5 के बीच की कोई एक संख्या प्रयोग कर सकते हैं।

	1	2	3	4	5
• **मेरी समझ में वाराणसी शहर की आज की आबादी है :**	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

अगले कथन के लिये कृपया एक मापनी का प्रयोग करें, यहाँ 1 का अर्थ 'कम' और 5 का अर्थ 'अधिक' है–

	1	2	3	4	5
• **भविष्य में, मैं वाराणसी की आबादी देखना चाहूँगा/चाहूँगी।**	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

अगले कथन के लिये कृपया एक मापनी का प्रयोग करें, यहाँ 1 का अर्थ "पूर्णतः असहमत" और 5 का अर्थ "पूर्णतः सहमत" है।

	1	2	3	4	5
• **सब मिलाकर वाराणसी में बाहर से आकर बसने वालों की तादांद है :**	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

21 मजहबी–तहज़ीबी तबकों के प्रति मनोवृत्ति (बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक तबके)– (Attitude towards social groups)

अब मैं कुछ सामाजिक तबकों के बारे में आपका खयाल जानना चाहूँगी/चाहूँगा। अपने खयाल को जाहिर करने के लिए मैं आपको एक थर्मामीटर जैसी मापनी दूँगी/दूँगा। इस मापनी में 0 से 100 तक की संख्याएँ है। यदि आप किसी तबके के लोगों के बारे में सकारात्मक खयाल रखते हैं तो आप उस तबके को 50 से 100 के बीच का कोई एक अंक देंगे। यह अंक इस पर निर्भर करेगा कि आप उस तबके का मूल्यांकन कितना सकारात्मक रूप से करते हैं। दूसरी तरफ यदि किसी तबके के बारे में आप नकारात्मक खयाल रखते हैं तो आप उन्हें 0 से 50 के बीच का कोई एक अंक देंगे। यह अंक इस बात पर निर्भर करेगा कि आप उस तबके का मूल्यांकन कितना सकारात्मक रूप से करते हैं। यह जरूरी नहीं है कि दी गई संख्याओं में से ही कोई एक संख्या चुने। आप 0 से 100 के बीच की किसी संख्या का प्रयोग कर सकते हैं।

अब आप इस देष में रहने वाले नीचे दिए गए प्रत्येक मजहबी–तहजीबी तबके के लोगों का मूल्यांकन इस मापनी का उपयोग करते हुए करें।

सकारात्मक	100	प्रबल रूप से सकारात्मक
	90	
	80	
	70	
	60	
	50	सकारात्मक, नकारात्मक
	40	
नकारात्मक	30	
	20	
	10	
	0	प्रबल रूप से नकारात्मक

कृपया 0 और 100 के बीच एक संख्या चुनकर प्रत्येक तबके के लिये अपने खयाल दें।

तबका	संख्या (0 से 100 तक कोई)
हिन्दू	
मुस्लिम	
सिख	
ईसाई	
बौद्ध	
जैन	
आदिवासी	

22. आत्मसम्मान (Self-esteem)

आप अपने और अपने जीवन के बारे में जैसा सोचते हैं, उसके लिये निम्नांकित कथन प्रबल रूप से लागू होते हैं?

		पूर्ण सहमत	सहमत	न असहमत न सहमत	असहमत	पूर्ण असहमत
		5	4	3	2	1
1.	कुल मिलाकर मैं अपने आपसे खुश हूँ	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
2.	कभी–कभी मैं सोचता हूँ मैं किसी काम का नहीं हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
3.	मुझे लगता है कि मुझमें कई अच्छी खूबियाँ हैं।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
4.	मैं और लोगों के जैसा ही कार्य करने के लायक हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
5.	मैं अनुभव करता हूँ कि मेरे पास फ़ख्र करने के लिये बहुत कुछ नहीं है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
6.	मैं कभी–कभी सचमुच अपने आपको बेकार महसूस करता हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
7.	मैं महसूस करता हूँ कि मैं कम से कम दूसरों के बराबर ही काम का इन्सान हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
8.	मैं चाहता हूँ कि मैं अपनी और ज़्यादा इज़्ज़त/कद्र कर सकूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
9.	कुल मिलाकर मैं यह महसूस करने को मजबूर हो जाता हूँ कि मैं नाकाम हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
10.	मैं अपने लिये सकारात्मक/अच्छे ख़्यालात रखता हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

23. जीवन सन्तुष्टि(Life satisfaction)

आप अपने और अपने ज़िन्दगी के बारे में जैसा सोचते हैं उसपर नीचे लिखे कथन कितने लागू होते हैं?

		पूर्ण सहमत	सहमत	न असहमत न सहमत	असहमत	पूर्ण असहमत
		5	4	3	2	1
1.	कई तरह से मेरी ज़िन्दगी मेरे मिसाली (आदर्श) के करीब है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
2.	मेरे ज़िन्दगी के हालात बेहतर हैं।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
3.	मैं अपनी ज़िन्दगी से खुश हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
4.	अभी तक मैंने अपनी ज़िन्दगी में जिन अहम चीजों को चाहा उन्हें हासिल कर लिया है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
5.	यदि लम्बे समय तक जिन्दा रहा तो मैं लगभग कुछ भी नहीं बदलूंगा।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

24. मनोवैज्ञानिक समस्यायें– (Psychological problems)

आप अक्सर क्या महसूस करते हैं?

		कभी नहीं	बहुत कम	कभी–कभी	बार–बार	सदैव
1.	मैं थका महसूस करता हूँ	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
2.	मुझे पेट में गड़बड़ी महसूस होती है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

3.	मुझे चक्कर और बेहोशी महसूस होती है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
4.	ज्यादा काम न करने पर भी मेरी साँस फूलती है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
5.	मैं हर समय कमजोर महसूस करता हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
6.	मैं तनाव या बेचैनी महसूस करता हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
7.	मैं भीतर से घबराया और व्याकुल सा महसूस करता हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
8.	मैं बेचैनी महसूस करता हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
9.	मैं परेशान या चिढ़ा सा महसूस करता हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
10.	मैं इस बात को लेकर फिक्रमन्द रहता हूँ कि मेरे साथ कुछ खराब हादसा होने वाला है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
11.	मैं नाखुश और दुःखी महसूस करता हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
12.	मेरे ख़्याल उलझे से लगते हैं।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
13.	मैं समय को लेकर बहुत फिक्रमन्द रहता हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
14.	दूसरों के साथ होने पर भी मैं अकेला महसूस करता हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
15.	जिन चीजों में मुझे ज़्यादातर मजा आता है, उनमें भी मेरी दिलचस्पी और चाह कम हो गई है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

25. सामाजिक तहजीब सक्षमता (Sociocultural competency)

आप इन प्रत्येक मामलों में यहाँ (बनारस) रहने में कितनी कठिनाइयों को महसूस करते हैं। निम्नांकित 1 से 5 मापनी का प्रयोग कीजिए।

1. = कोई कठिनाई नहीं
2. = थोड़ी कठिनाई
3. = औसत कठिनाई
4. = अधिक कठिनाई
5. = बहुत अधिक कठिनाई

		1	2	3	4	5
1.	दोस्त बनाने में	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
2.	खाना पाने में जिसका आनन्द ले	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
3.	नियम और व्यवस्था (System) का पालन करने में	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
4.	अफसरों के साथ लेन–देन करने में	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
5.	यातायात व्यवस्था (System) का उपयोग करने में	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
6.	अपने आप को समझने में	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
7.	आला अफसरो के साथ लेन–देन में	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
8.	खरीदारी करने में	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
9.	हँसी मजाक समझने में	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
10.	मकान (Accommodation) प्राप्त करने में	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
11.	सामाजिक समारोहों (Programmes) में जाने में	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
12.	दूसरे मजहब/जाति के तबके के लोगों के साथ बात–चीत करने में	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
13.	मजहबी/जातिय या तहज़ीबी फर्क को समझने में	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
14.	खुदा की इबादत करने में।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
15.	गैर जिंस (Opposite Sex) के साथ बात–चीत करने में	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
16.	अपने आस–पास रास्ता ढूँढने में	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
17.	दूसरों के साथ अपने बारे में बात करने में	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
18.	आबो हवा के साथ खुद को ढालने में	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
19.	पारिवारिक सम्बन्धों में।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
20.	ज़िन्दगी का रास्ता खोजने में।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]

26. सामाजिक वांछनीयता मापनी (Social desirability scale)

प्रत्येक कथन को पढ़िये और उस संख्या पर सही (√) बना दीजिये, जो आपका सबसे अच्छी तरह वर्णन करती है।

1 का मतलब 'सही नहीं', और 5 का मतलब है 'बहुत सही'।

		1	2	3	4	5
1.	अगर झूठ बोलना पड़े तो मैं कभी–कभी झूठ बोलता हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
2.	मैं अपनी गलतियों को कभी छुपाता नहीं हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
3.	ऐसे मौके आए हैं जब मैंने किसी इन्सान का फायदा उठाया है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
4.	मैं कभी कसम नहीं खाता हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
5.	बदकिस्मती से भी अगर पकड़े जाने की उम्मीद हो, तो भी मैं हमेशा कानून का अमल करता हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
6.	मैंने अपने किसी दोस्त के बारे में उसके पीठ पीछे कुछ बुरा कहा है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
7.	जब मैं लोगों को अकेले में बात करते देखता हूँ, तो मैं उन्हें सुनने से बचता हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
8.	जब मैं जवान था, तब कभी–कभी चीजों को चुराता था।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
9.	मैंने सड़क पर कभी कूड़ा नहीं फेंका है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
10.	मैंने कुछ ऐसा भी किया है, जिसके बारे में दूसरे लोगों को नहीं बताया है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
11.	मैं उन चीजों को कभी नहीं लेता जो मेरी नहीं होती है।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]
12.	मैं दूसरे लोगों के काम के बारे में बकवास नहीं करता हूँ।	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]	[ ]